“याकूब से मैंने प्रेम किया, परन्तु एसाव से बैर किया”—इसका
वास्तविक अर्थ क्या है? (रोमियों 9:13)

प्रश्न: यदि परमेश्वर सब मनुष्यों से प्रेम करता है, तो बाइबल क्यों कहती है कि उसने “एसाव से बैर” किया?

यह पद अक्सर गलत समझा जाता है। पहली नज़र में यह कठोर प्रतीत होता है—परमेश्वर किसी से “बैर” कैसे कर सकता है? लेकिन इसे समझने के लिए हमें बाइबल की भाषा, इतिहास और धर्मशास्त्रीय संदर्भ में जाना होगा, न कि मानवीय भावनाओं के आधार पर।

रोमियों 9:13 का अर्थ क्या है?

“जैसा लिखा है, ‘याकूब से मैंने प्रेम किया, परन्तु एसाव से बैर किया।’”
— रोमियों 9:13 (ERV-Hindi)

पौलुस यहाँ मलाकी 1:2–3 का संदर्भ दे रहा है:

“मैंने याकूब से प्रेम किया और एसाव से बैर किया…”
— मलाकी 1:2–3 (ERV-Hindi)

“याकूब से मैंने प्रेम किया, परन्तु एसाव से बैर किया”—इसका
वास्तविक अर्थ क्या है? (रोमियों 9:13)

बाइबल की मूल भाषाओं—इब्रानी और यूनानी—में “प्रेम” और “बैर” शब्द अक्सर चुनने और न चुनने, या अनुग्रह और अस्वीकार के अर्थ में उपयोग होते थे।
यह मानवीय घृणा नहीं, बल्कि ईश्वरीय चयन को दर्शाता है।

परमेश्वर ने अपनी योजना के अनुसार तय किया कि वाचा का वंश याकूब से चलेगा, न कि एसाव से।

“…ताकि चुनाव के विषय में परमेश्वर की इच्छा स्थिर बनी रहे;
न कि कर्मों से, परन्तु बुलाने वाले से।”
— रोमियों 9:11–12 (ERV-Hindi)

इसका अर्थ यह नहीं कि परमेश्वर एसाव से बुराई चाहता था।
मतलब यह है कि कर्मों से पहले ही—जब दोनों पैदा भी नहीं हुए थे—परमेश्वर ने अपने उद्देश्य के अनुसार याकूब को चुना।

परमेश्वर सब मनुष्यों से प्रेम करता

“याकूब से मैंने प्रेम किया, परन्तु एसाव से बैर किया”—इसका
वास्तविक अर्थ क्या है? (रोमियों 9:13)

है—परन्तु उसका अनुग्रह समान रूप से

नहीं मिलता

“क्योंकि परमेश्वर ने जगत से ऐसा प्रेम रखा कि उसने अपना
एकलौता पुत्र दे दिया…”
— यूहन्ना 3:16 (ERV-Hindi)

यह सच है कि परमेश्वर हर मनुष्य से प्रेम करता है,
परन्तु उसकी वाचा के आशीष उन्हीं को मिलते हैं जो विश्वास और आज्ञाकारिता में चलते हैं।

परमेश्वर प्रेमी है, परन्तु उसकी पवित्रता भी उतनी ही सच्ची है।
वह मनुष्य से प्रेम करता है, पर पाप और विद्रोह को अस्वीकार करता है।

एसाव का जीवन दिखाता है कि वह आध्यात्मिक बातों को महत्व नहीं देता था:

“याकूब से मैंने प्रेम किया, परन्तु एसाव से बैर किया”—इसका
वास्तविक अर्थ क्या है? (रोमियों 9:13)

“सो एसाव ने उस जन्मसिद्ध अधिकार को तुच्छ जाना।”
— उत्पत्ति 25:34 (ERV-Hindi)

“…कोई एसाव के समान धर्महीन न हो, जिसने एक ही भोजन के लिए
अपना उत्तराधिकारी होने का अधिकार बेच दिया।”
— इब्रानियों 12:16 (ERV-Hindi)

दूसरे शब्दों में, एसाव ने परमेश्वर की बातों को साधारण और बेकार समझा।
याकूब पूर्ण नहीं था, पर वह परमेश्वर की प्रतिज्ञाओं का मूल्य जानता था।
इसलिए परमेश्वर ने उसी को चुना।

यीशु की शिक्षा “बैर” शब्द को और स्पष्ट करती है

यीशु ने भी इसी प्रकार की भाषा का प्रयोग किया:

“याकूब से मैंने प्रेम किया, परन्तु एसाव से बैर किया”—इसका
वास्तविक अर्थ क्या है? (रोमियों 9:13)

“यदि कोई मेरे पास आए और अपने पिता, माता, पत्नी, बच्चों… से
बैर न रखे, वह मेरा चेला नहीं हो सकता।”
— लूका 14:26 (ERV-Hindi)

स्पष्ट है—यीशु नफ़रत सिखा नहीं रहे थे।
यह एक यहूदी मुहावरा था, जिसका अर्थ है:

“अन्य सभी संबंधों से ऊपर परमेश्वर को प्राथमिकता दो।”

उसी तरह, “एसाव से बैर किया” का अर्थ है—
परमेश्वर ने याकूब को प्राथमिकता दी, न कि मानवीय अर्थ में घृणा की।

परमेश्वर की प्रभुता और न्याय

रोमियों 9 में पौलुस केवल दो व्यक्तियों की बात नहीं कर रहा, बल्कि दो राष्ट्रों—इस्राएल (याकूब) और एदोम (एसाव)—की बात भी कर रहा है।

“याकूब से मैंने प्रेम किया, परन्तु एसाव से बैर किया”—इसका
वास्तविक अर्थ क्या है? (रोमियों 9:13)

परमेश्वर दिखाना चाहता था कि उसका चुनाव मनुष्य के कर्मों पर नहीं, बल्कि उसकी दया और प्रभुता पर आधारित है।

“मैं जिस पर दया करूँगा, उस पर दया करूँगा, और जिस पर करुणा करूँगा, उस पर करुणा करूँगा।”
— रोमियों 9:15 (ERV-Hindi)

यह अन्याय नहीं—यह परमेश्वर की बुद्धि और प्रभुता है।

हमारे लिए इससे क्या शिक्षा मिलती है?

एसाव का जीवन हमें चेतावनी देता है:

परमेश्वर की बातों को हल्के में मत लो

अनन्त आशीष को क्षणिक सुखों के लिए मत छोड़ो

“याकूब से मैंने प्रेम किया, परन्तु एसाव से बैर किया”—इसका
वास्तविक अर्थ क्या है? (रोमियों 9:13)

परमेश्वर के अनुग्रह को सामान्य मत समझो

“डर और काँपते हुए अपने उद्धार को सिद्ध करते रहो।”
— फिलिप्पियों 2:12 (ERV-Hindi)

“जो समझता है कि वह स्थिर खड़ा है, वह सावधान रहे कि कहीं गिर
न पड़े।”
— 1 कुरिन्थियों 10:12 (ERV-Hindi)

परमेश्वर चाहता है कि सब लोग बचाए

जाएँ

यद्यपि परमेश्वर चुनता है, फिर भी वह सबको अवसर देता है।

“प्रभु… नहीं चाहता कि कोई नाश हो, परन्तु सबको मन फिराने का अवसर मिले।”

“याकूब से मैंने प्रेम किया, परन्तु एसाव से बैर किया”—इसका वास्तविक अर्थ क्या है? (रोमियों 9:13)

— 2 पतरस 3:9 (ERV-Hindi)

इसलिए हमें याकूब के समान—
परमेश्वर की प्रतिज्ञाओं को थामे रहने वाले,
उसके मार्गों को महत्व देने वाले—
लोग बनना चाहिए।

निष्कर्ष

“एसाव से बैर” का अर्थ भावनात्मक घृणा नहीं, बल्कि ईश्वरीय अस्वीकार/न-चुनना है।

परमेश्वर प्रेमी है, परन्तु उसके चुनाव में उसकी प्रभुता और पवित्रता प्रकट होती है।

एसाव हमें चेतावनी देता है कि आध्यात्मिक बातों को हल्के में लेने से बड़ा नुकसान होता है।

“याकूब से मैंने प्रेम किया, परन्तु एसाव से बैर किया”—इसका वास्तविक अर्थ क्या है? (रोमियों 9:13)

परमेश्वर के अनुग्रह का उत्तर हमें भक्ति, विश्वास और आज्ञाकारिता में देना चाहिए।

आओ, प्रभु यीशु!
(1 कुरिन्थियों 16:22)

JIUNGE NA GROUP LETU LA WHATSAPP HAPA >> WHATSAPP GROUP….

Share on:
WhatsApp